संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) से (ग) अपेक्षित जानकारी एकत्र की जा रही है और उसे सदन के समा पटल पर रख दिया जाएगा।

भागलपुर और मुंगर के लिये वायुदूत सेवा

1898. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान समय में वायुदूत सेवाओं द्वारा संचालित किए जा रहे विभिन्न रूटों और उनके अन्तर्गत आने वाले राज्यों के नाम क्या हैं ;

(ख) क्या निकट भविष्य में बिहार में भागलपुर तथा मुंगेर को इस विमान सेवा से जोड़े जाने की संभावना है ; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) वायुदूत द्वारा संचालित मार्गों और इसके अंतर्गत आने वाले राज्यों को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ख) और (ग) विमान क्षमता की उपलब्धता, आधार संरचनात्मक सुविधाओं के विकास और परिचालनों की आर्थिक सम्भाव्यता के आधार पर, वायुदूत की बिहार में भागलपुर को विमान सेवा से जोड़ने की योजनाएं हैं।

वायुदूत की मुंगेर को सेवा देने की कोई योजना नहीं है।

विवरण

वायुदूत द्वारा प्रचालित मार्ग	वायुदूत के अन्तर्गत आने वाले राज्य, संघ शासित क्षेत्र
1	2
पश्चिमी क्षेत्र	
बम्बई-कांडला	1. अरुणाचल प्रदेश
बम्बई-केशोद	2. असाम
बम्बई-पोरबन्दर	3. आंध्र प्रदेश
बम्बई-दमन-सूरत-भावनगर और वापस	4. बिहार
बम्बई-औरंगाबाद-नांदेड़ और वापस	5. गुजरात
बम्बई-पुणे-औरंगाबाद और वापस	6. गोवा
बम्बई-औरंगाबाद-नागपुर और वापस	7. हरियाणा
बम्बई-पुणे-इन्दौर और वापस	8. हिमाचल प्रदेश
बम्बई-इन्दौर-अहमदाबाद और वापस	9. केरल

1	2
पूर्वी क्षेत्र	
कलकत्ता-गुवाहाटी-तेजपुर-जोरहाट-जोराबाड़ी-डिब्रूगढ़ और वापस	10. कर्नाटक
कलकत्ता-गुवाहाटी-पासीघाट-अलांग और वापस	11. मध्य प्रदेश
डिब्रूगढ़-तेजू और वापस	12. मिजोरम
कलकत्ता-गुवाहाटी-जोराबाड़ी-जैरोडपारिजो और वापस	13. मेघालय
कलकत्ता-एजवाल-सिलचर और वापस	14. मणिपुर
कलकत्ता-अगरतला-कमालपुर-कैलाशहर और वापस	15. महाराष्ट्र
कलकत्ता-इम्फाल-दीमापुर और वापस	16. नागालैंड
कलकत्ता-शिलांग-गुवाहाटी-सिलचर और वापस	17. उड़ीसा
कलकत्ता-कूच बिहार और वापस	18. पंजाब
कलकत्ता-मालदेलूघाट और वापस	19. राजस्थान
कलकत्ता-राउरकेला-रांची और वापस	20. त्रिपुरा
कलकत्ता-जमशेदपुर और वापस	21. तमिलनाडु
कलकत्ता-जमशेदपुर-पटना और वापस	22. उत्तर प्रदेश
कलकत्ता-भुवनेश्वर और वापस	23. पश्चिम बंगाल

दक्षिणी क्षेत्र	संघ शासित क्षेत्र
1	2
हैदराबाद-राजामुन्द्री और वापस	1. चंडीगढ़
हैदराबाद-विशाखापत्तनम-जैपोर-भुवनेश्वर और वापस	2. दमन
	3. दिल्ली।
हैदराबाद-गोवा और वापस	
हैदराबाद-तिरूपति-मंगलौर-मैसूर	
मद्रास-पन्जावूर-मदुरै-कोचीन और वापस	
मद्रास-नैवेल्ली और वापस	
मद्रास-कोयम्बतूर और वापस	
मद्रास-तिरूपति और वापस	
उत्तरी क्षेत्र	
दिल्ली-लुधियाना और वापस	
दिल्ली-चंडीगढ़ कुल्लू और वापस	

1
दिल्ली-देहरादून और वापस
दिल्ली–लुधियाना-चण्डीगढ़ और वापस
दिल्ली-कानपुर और वापस
दिल्ली-जोधपुर कोटा और वापस
दिल्ली-ग्वालियर-झांसी और वापस
दिल्ली चंडीगढ़-शिमला और वापस
दिल्ली-भटिंडा
दिल्ली-पंतनगर और वापस
दिल्ली–राय बरेली और वापस
दिल्ली –लखनऊ-गोरखपुर और वापस
दिल्ली–चंडीगढ़–अमृतसर और वापस

बिहार में राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण काम्प्लेक्स

1899. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार भागलपुर अथवा बिहार के किसी अन्य शहर में एक राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण काम्प्लेक्स स्थापित करने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्य और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा): (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

Lues outstanding against M/s. Rail way Cycle Stand Karamchari Shram Samvida Sahkari Samiti Ltd., Allahabad,

1900. SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV; Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state-.

(a) how much railway dues and dues payable *to labourers of Allahabad* and Kanpur Parcel office are outstanding against M/s. Railway Cycle Stand Karamchari Shram Samvida Sahkari Samiti Ltd., Allahabad, in respect of various contracts held by them under Commercial Branch of Allahabad Division together with details theireof;

(b) what are the reasons for terminating various contracts held by the Society on the Commercial side under the Divisional Railway Manager, Northern Railways, Allahabad;

(c) what action is proposed to be taken by Government to compensate the labourers of Allahabad and Kanpur, Parcel Office who received short payment from the Society; and

(d) whether the Divisional Railway Manager is inclined to award fresh contracts so that recovery could be made from the Society?